

40 Roohani Ilaj Ma Tibbi Ilaj (Hindi)



40 रूह़ानी इ़लाज मअ़ तिब्बी इ़लाज

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी र-ज़वी دَامَتْ بَرَکَاتُہُمُ الْعَالِیَہ

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰی سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

किताब पढ़ने की दुआ़

दीनी किताब या इस्लामी सबक़ पढ़ने से पहले ज़ैल में दी हुई दुआ़ पढ़ लीजिये اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा। दुआ़ येह है :

اَللّٰهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَانْشُرْ عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَام

तरजमा : ऐ **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ ! हम पर इ़ल्मो ह़िक्मत के दरवाज़े खोल दे और हम पर अपनी रह़मत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अ़-ज़मत और बुज़ुर्गी वाले।

(مُسْتَطْرَف ج ١ ص ٤٠ دار الفکر بيروت)

(अव्वल आख़िर एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये।)

गमे मदीना, बक़ीअ़, मग़्फ़िरत और बे ह़िसाब जन्नतुल फ़िरदौस में आक़ा के पड़ोस का ता़लिब



13 शव्वालुल मुकर्रम 1428 हि.

(40 रूह़ानी इ़लाज मअ़ ति़ब्बी इ़लाज)

येह रिसाला **(40 रूह़ानी इ़लाज मअ़ ति़ब्बी इ़लाज)**
शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी ह़ज़रत अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल **मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी** र-ज़वी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَه ने **उर्दू** ज़बान में तह़रीर फ़रमाया है।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को **हिन्दी** रस्मुल ख़त़ में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाएअ़ करवाया है। इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (ब ज़रीअ़ए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्तलअ़ फ़रमा कर सवाब कमाइये।

राबित़ा : मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी)
मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस,
अलिफ़ की मस्जिद के सामने, तीन दरवाज़ा, अहमदआबाद-1, गुजरात
MO. 9374031409 E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِیْنَ وَالصَّلٰوۃُ وَالسَّلَامُ عَلٰی سَیِّدِ الْمُرْسَلِیْنَ
اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّیْطٰنِ الرَّجِیْمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ط

40 रूहानी इलाज मअ़ तिब्बी इलाज

दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत

अल्लाह عَزَّوَجَلَّ के प्यारे ह़बीब, ह़बीबे लबीब, त़बीबों के त़बीब صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَ اٰلِهٖ وَسَلَّم का फ़रमाने रह़मत निशान है : जो मुझ पर शबे जुमुआ़ और रोजे़ जुमुआ़ (या'नी जुमा'रात के गु़रूबे आफ़्ताब से ले कर जुमुआ़ का सूरज डूबने तक) सो बार दुरूद शरीफ़ पढ़े **अल्लाह** तआ़ला उस की सो ह़ाजतें पूरी फ़रमाएगा 70 **आख़िरत** की और 30 दुन्या की। (شُعَبُ الْاِیمان ج۳ص ۱۱۱ حدیث۳۰۳۵)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيْب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

हर विर्द के अव्वल व आख़िर एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये, फ़ाएदा ज़ाहिर न होने की सूरत में शिक्वा करने के बजाए अपनी कोताहियों की शामत तसव्वुर कीजिये, **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ की हिक्मत पर नज़र रखिये।

﴾1﴿ "هُوَاللّٰهُ الرَّحِيْمُ" जो हर नमाज़ के बा'द सात बार पढ़ लिया करेगा اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ शैतान के शर से बचा रहेगा और उस का ईमान पर ख़ातिमा होगा।

﴾2﴿ "يَااَللّٰهُ" 100 बार सोते वक़्त पढ़ने से اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ शयातीन की शरारत व **फ़ालिज और लक़्वे** की आफ़त से हिफ़ाज़त होगी।

﴾3﴿ "يَامَلِكُ" 90 बार जो ग़रीब व नादार रोज़ाना पढ़ा करे اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ गुरबत से नजात पाएगा।

﴿4﴾ "يَاقُدُّوسُ" का जो कोई दौराने सफ़र विर्द करता रहे اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ थकन से मह़फ़ूज़ रहेगा।

﴿5﴾ "يَاسَلَامُ" 111 बार पढ़ कर बीमार पर दम करने से اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ शिफ़ा ह़ासिल होगी।

﴿6﴾ "يَامُهَيْمِنُ" 29 बार जो कोई ग़मज़दा रोज़ाना पढ़ ले اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ उस का ग़म दूर हो नीज़ اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ आफ़तों और बलाओं से भी मह़फ़ूज़ रहे।

﴿7﴾ "يَاعَزِيْزُ" 41 बार ह़ाकिम या अफ़्सर वग़ैरा के पास जाने से क़ब्ल पढ़ लीजिये اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ वोह ह़ाकिम या अफ़्सर मेह्रबान हो जाएगा।

﴿8﴾ "يَامُتَكَبِّرُ" 21 बार रोज़ाना पढ़ लीजिये, डरावने ख़्वाब आते होंगे तो اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ नहीं आएंगे।

(मुद्दते इलाज : ता हु़सूले शिफ़ा)

﴾9﴿ "يَامُتَكَبِّرُ" ज़ौजा से "मिलाप" से क़ब्ल 10 बार पढ़ लेने वाला اِنْ شَآءَاللهعَزَّوَجَلَّ नेक बेटे का बाप बनेगा।

﴾10﴿ "يَابَارِئُ" 10 बार जो कोई हर जुमुआ़ को पढ़ लिया करे اِنْ شَآءَاللهعَزَّوَجَلَّ उस को बेटा अ़ता होगा।

﴾11﴿ "يَاقَهَّارُ" 100 बार अगर कोई मुसीबत आ पड़े तो पढ़िये اِنْ شَآءَاللهعَزَّوَجَلَّ मुश्किल आसान होगी।

﴾12﴿ "يَاوَهَّابُ" सात बार जो रोज़ाना पढ़ा करेगा اِنْ شَآءَاللهعَزَّوَجَلَّ मुस्तजाबुद्दा'वात होगा (या'नी उस की दुआ़एं क़बूल हुवा करेंगी)

﴾13﴿ "يَافَتَّاحُ" 70 बार जो रोज़ाना बा'द नमाज़े फ़ज्र दोनों हाथ सीने पर रख कर पढ़ा करेगा اِنْ شَآءَاللهعَزَّوَجَلَّ

उस के दिल का ज़ंग व मैल दूर होगा।

﴾14﴿ "يَافَتَّاحُ" सात बार जो रोज़ाना (किसी भी वक़्त दिन में एक मर्तबा) पढ़ा करेगा اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ उस का दिल रोशन होगा।

﴾15﴿ "يَاقَابِضُ، يَا بَاسِطُ" 30 बार जो हर रोज़ पढ़ा करे اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ वोह दुश्मन पर फ़त्ह़ पाएगा।

﴾16﴿ "يَارَافِعُ" 20 बार जो रोज़ाना पढ़ा करेगा اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ उस की मुराद पूरी होगी।

﴾17﴿ "يَابَصِيْرُ" सात बार जो कोई रोज़ाना ब वक़्ते अ़स्र (या'नी इब्तिदाए वक़्ते अ़स्र ता गुरूबे आफ़्ताब किसी भी वक़्त) पढ़ लिया करेगा اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ अचानक मौत से

महफ़ूज़ रहेगा।

﴾18﴿ "يَاسَمِيْعُ" 100 बार जो रोज़ाना पढ़े और इस दौरान गुफ़्त–गू न करे और पढ़ कर दुआ मांगे اِنْ شَآءَالله عَزَّوَجَلَّ जो मांगेगा पाएगा।

﴾19﴿ "يَاحَكِيْمُ" 80 बार जो रोज़ाना पांचों नमाज़ों के बा'द पढ़ लिया करे, اِنْ شَآءَالله عَزَّوَجَلَّ किसी का मोहताज न हो।

﴾20﴿ "يَاجَلِيْلُ" दस बार पढ़ कर जो अपने मालो अस्बाब और रक़म वग़ैरा पर दम कर दे اِنْ شَآءَالله عَزَّوَجَلَّ चोरी से महफ़ूज रहेगा।

﴾21﴿ "يَاشَهِيْدُ" 21 बार, सुब्ह (तुलूए आफ़्ताब से पहले पहले) ना फ़रमान बच्चे या बच्ची की पेशानी पर हाथ रख

कर आस्मान की त़रफ़ मुंह कर के जो पढ़े إِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ

उस का वोह बच्चा या बच्ची नेक बने।

﴾22﴿ "يَاوَكِيْلُ" सात बार जो रोज़ाना अ़स्र के वक़्त

पढ़ लिया करे إِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ आफ़तों से पनाह पाए।

﴾23﴿ "يَاحَمِيْدُ" 90 बार, जिस की गन्दी बातों की

आ़दत न जाती हो वोह पढ़ कर किसी ख़ाली पियाले या

गिलास में दम कर दे। ह़स्बे ज़रूरत उसी में पानी पिया करे

إِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ फ़ोह़्श गोई (या'नी बे ह़याई की बातों) की

आ़दत निकल जाएगी। (एक बार का दम किया हुवा गिलास

बरसों तक चला सकते हैं)

﴾24﴿ "يَامُحْصِىُ" एक हज़ार बार, जो कोई हर शबे

जुमुआ (या'नी जुमा'रात व जुमुआ की दरमियानी शब) पढ़ लिया करे اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ क़ब्र व क़ियामत के अज़ाब से महफ़ूज़ हो।

﴾25﴿ "یَامُحۡیِیۡ" 7 बार पढ़ कर अपने ऊपर दम कर लीजिये, गेस हो या पेट या किसी भी जगह दर्द हो या किसी उज़्व के ज़ाएअ़ हो जाने का ख़ौफ़ हो اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ फ़ाएदा होगा। (मुद्दते इलाज : ता हुसूले शिफ़ा, रोज़ाना कम अज़ कम एक बार)

﴾26﴿ "یَامُحۡیِیۡ،یَامُمِیۡتُ" सात बार रोज़ाना पढ़ कर अपने ऊपर दम कर लिया कीजिये اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ **जादू** असर नहीं करेगा।

﴾27﴿ "یَاوَاجِدُ" जो कोई खाना खाते वक़्त हर निवाले पर पढ़ा करेगा اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ वोह खाना उस के पेट में नूर होगा और बीमारी दूर होगी।

﴾28﴿ "يَامَاجِدُ" **10** बार पढ़ कर शरबत वग़ैरा पर दम कर के जो पी लिया करे اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ (सख़्त) बीमार न होगा।

﴾29﴿ "يَاوَاجِدُ" एक हज़ार एक बार, जिस को अकेले में डर लगता हो, तन्हाई में पढ़ ले اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ उस के दिल से ख़ौफ़ जाता रहेगा।

﴾30﴿ "يَاقَادِرُ" जो वुज़ू के दौरान हर उ़ज़्व धोते हुए पढ़ने का मा'मूल बना ले اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ दुश्मन उस को इग़वा नहीं कर सकेगा।

﴾31﴿ "يَاقَادِرُ" **41** बार, मुश्किल आ पड़े तो पढ़ लीजिये اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ आसानी हो जाएगी।

﴾32﴿ "يَامُقْتَدِرُ" **20** बार, जो रोज़ाना पढ़ लिया

करेगा اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ रह़मतों के साए में रहेगा।

﴾33﴿ "یَامُقْتَدِرُ" 20 बार, जो नींद से बेदार हो कर पढ़ लिया करेगा उस के हर काम में मददे इलाही शामिल रहेगी।

﴾34﴿ "یَااَوَّلُ" 100 बार, जो रोज़ाना पढ़ लिया करेगा اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ उस की ज़ौजा उस से मह़ब्बत करेगी।

﴾35﴿ "یَامَانِعُ، یَامُعْطِیُ" 20 बार, बीवी नाराज़ हो तो शोहर और अगर शोहर नाराज़ हो तो बीवी सोने से क़ब्ल बिछोने पर बैठ कर पढ़े اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ सुल्ह़ हो जाएगी।

(मुद्दत : ता हुसूले मुराद)

﴾36﴿ "یَاظَاهِرُ" घर की दीवार पर लिख लीजिये اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ दीवार सलामत रहेगी।

﴾37﴿ "يَارَءُوْفُ" जो किसी मज़्लूम का किसी ज़ालिम से पीछा छुड़ाना चाहे, **10** बार पढ़े फिर उस ज़ालिम से बात करे اِنْ شَآءَاللهعَزَّوَجَلَّ वोह ज़ालिम उस की सिफ़ारिश क़बूल कर लेगा।

﴾38﴿ "يَاغَنِىُّ" रीढ़ की हड्डी, घुटनों, जोड़ों या जिस्म में कहीं भी दर्द हो, चलते फिरते उठते बैठते पढ़ते रहिये اِنْ شَآءَاللهعَزَّوَجَلَّ दर्द जाता रहेगा।

﴾39﴿ "يَامُغْنِىُ" एक बार पढ़ कर हाथों पर दम कर के दर्द की जगह पर मलने से اِنْ شَآءَاللهعَزَّوَجَلَّ सुकून मिलेगा।

﴾40﴿ "يَانَافِعُ" **20** बार, जो कोई काम शुरूअ़ करने से क़ब्ल पढ़ ले اِنْ شَآءَاللهعَزَّوَجَلَّ वोह काम उस की मरज़ी के मुताबिक़ पूरा होगा।

15 तिब्बी इलाज

﴾1, 2﴿ बाल लम्बे करने के दो नुस्खे

❁ 250 ग्राम आम्ला, 125 ग्राम सिकाकाई और 125 ग्राम मेथी दाने पीस कर महफ़ूज़ कर लीजिये। दो चम्मच हस्बे ज़रूरत पानी में रात को भिगो दीजिये, सुब्ह़ छान कर सर धो लीजिये, हफ़्ते में एक बार येह अ़मल कीजिये, اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ बाल गिरना बन्द होंगे और बाल लम्बे होने भी शुरूअ़ हो जाएंगे ❁ आम्ले का सुफ़ूफ़ (पाउडर) बनवा लीजिये, ह़स्बे ज़रूरत पाउडर में पानी मिला कर गाढ़ा सा लेप बना लीजिये, फिर उसे तमाम बालों की जड़ो में लगा कर कुछ देर बा'द सर धो लीजिये।

﴾3﴿ दांतों के दर्द और सूजन का तिब्बी इलाज

मसूढ़ों में सूजन हो, ख़ून या पीप निकलता हो तो थोड़ा सा गर्म पानी ले कर उस में थोड़ी सी फिट्करी डाल दीजिये, फिट्करी ह़ल हो जाने के बा'द वोह पानी दांतों और मसूढ़ों पर मलिये, اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ काफ़ी फ़ाएदा होगा।

﴾4, 5﴿ शूगर का तिब्बी इलाज

✿ बड़ी इलायची के अन्दर से दाने निकाल कर रोज़ाना सुब्ह़ व शाम पांच पांच दाने चबा लिया करें, اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ जल्द शिफ़ा ह़ासिल होगी ✿ **आम्ला**, जामुन के बीज और करेलों के बीज येह तीनों चीज़ें हम वज़्न ले कर उन का सुफ़ूफ़ (पाउडर) बना लीजिये, ज़ियाबीतुस (DIABETES) की उ़म्दा दवा तय्यार है, इस सुफ़ूफ़ की एक छोटी चम्मच

दिन में एक या दो बार लेना मरज़ बढ़ने से रोकता है।

﴾6﴿ माहवारी के दर्द का तिब्बी इलाज

जिस को माहवारी (M.C.) के दिनों में पेट और कमर वग़ैरा में दर्द होता हो, नाफ़ में तेल लगा लिया करे, اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

﴾7, 8﴿ दस्त (लूज़ मोशन) के 2 तिब्बी इलाज

❖ आधी चम्मच चाय की पत्ती पानी से फांक लीजिये اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ दस्त ख़त्म हो जाएंगे। छोटे बच्चों को एक चुटकी चाय की पत्ती पानी से देना ही काफ़ी है, اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ उन को भी फ़ाएदा हो जाएगा ❖ **सब्ज़** पोदीना धूप में सुखा कर, पीस कर उस का पाउडर किसी बोतल में महफ़ूज़ कर लीजिये। अगर कभी दस्त (लूज़ मोशन) लग

जाएं तो सुब्ह़ो शाम आधा चम्मच पानी से इस्ति'माल कीजिये اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ मे'दे में ठन्डक हो जाएगी और शिफ़ा ह़ासिल होगी।

﴾9﴿ नक्सीर बन्द करने का तिब्बी इलाज

लीमूं का रस कपड़े में छान कर ड्रोपर से नाक में क़त़रा क़त़रा डालिये, اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ ख़ून बन्द हो जाएगा।

﴾10﴿ नाक बन्द होने का तिब्बी इलाज

रात को नाक बन्द हो जाए और सांस लेने में रुकावट आती हो तो नीम के थोड़े से ताज़े पत्ते साफ़ कर के इन को पानी में चूल्हे पर जोश दे कर खाने का नमक ह़ल कर के क़ाबिले बरदाश्त हो जाने पर उस पानी से नाक धोइये और दिन में दो बार इसी से ग़रारे कीजिये, اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ नाक खुल जाएगी।

❮11, 12❯ हिचकी के दो चुटकुले

❁ **काग़ज़** की थेली या प्लास्टिक का शोपर मुंह और नाक पर चढ़ा कर हाथों से इस त़रह़ दबा कर रखिये कि नाक और मुंह की सांस की हवा बाहर न निकलने पाए, उसी शोपर के अन्दर सांस लीजिये, اِنْ شَآءَ اللہ عَزَّوَجَلَّ एक दो मिनट के अन्दर अन्दर हिचकी बन्द हो जाएगी ❁ एक छोटी इलायची अच्छी त़रह़ चबा कर निगल लीजिये और फ़ौरन ठन्डे पानी का एक गिलास पी लीजिये, اِنْ شَآءَ اللہ عَزَّوَجَلَّ हिचकी बन्द हो जाएगी।

❮13 ता 15❯ मुंह की बदबू के तीन तिब्बी इलाज

❁ **कच्ची** प्याज़ और कच्चा लह्सन खाने से मुंह में बदबू हो जाती है, **अदरक** का टुकड़ा ख़ूब चबा कर खा लीजिये, इसी त़रह़ **अज्वाइन** या, गुड़ या **सौंफ़** या

चन्द छोटी **इलायचियां** ख़ूब चबा कर निगल लीजिये, اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ बदबू ख़त्म हो जाएगी ۞ नीम के 12 पत्ते एक गिलास पानी में अच्छी त़रह़ उबाल कर छान लीजिये, पानी की गरमी कुछ कम होने पर इस से ग़रारे कीजिये, येह जरासीम कुश है, इस के बा क़ाइ़दा इस्ति'माल से मुंह का अन्दरूनी ह़िस्सा साफ़ होता और मुंह की बदबू दूर हो जाती है। ۞ **नीम** गर्म पानी में नमक मिला कर ग़रारे कीजिये, नमक में पाए जाने वाले अ़नासिर मुर्दा ख़लियों को निकाल कर **मुंह की बदबू** दूर करते हैं।

येह रिसाला पढ़ कर दूसरे को दे दीजिये

शादी ग़मी की तक़रीबात, इज्तिमाआ़त, आ'रास और जुलूसे मीलाद वग़ैरा में **मक-त-बतुल मदीना** के शाएअ़ कर्दा रसाइल और म-दनी फूलों पर मुश्तमिल पेम्फ़लेट तक़्सीम कर के सवाब कमाइये, गाहकों को ब निय्यते सवाब तोह़फ़े में देने के लिये अपनी दुकानों पर भी रसाइल रखने का मा'मूल बनाइये, अख़्बार फ़रोशों या बच्चों के ज़रीए अपने मह़ल्ले के घर घर में माहाना कम अज़ कम एक अ़दद सुन्नतों भरा रिसाला या म-दनी फूलों का पेम्फ़लेट पहुंचा कर नेकी की दा'वत की धूमें मचाइये और ख़ूब सवाब कमाइये।

ग़मे मदीना, बक़ीअ़, मग़्फ़िरत और बे ह़िसाब जन्नतुल फ़िरदौस में आक़ा के पड़ोस का त़ालिब



17 र-जबुल मुरज्जब 1435 सि.हि.

05-05-2014

اَلْحَمْدُ لِلّٰہِ رَبِّ الْعٰلَمِیْنَ وَالصَّلٰوۃُ وَالسَّلَامُ عَلٰی سَیِّدِ الْمُرْسَلِیْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰہِ مِنَ الشَّیْطٰنِ الرَّجِیْمِ بِسْمِ اللّٰہِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

सुन्नत की बहारें

اَلْحَمْدُ لِلّٰہ عَزَّوَجَلَّ तब्लीगे़ कुरआनो सुन्नत की आलमगीर गै़र सियासी तहरीक **दा'वते इस्लामी** के महके महके म-दनी माहोल में ब कसरत सुन्नतें सीखी और सिखाई जाती हैं, हर जुमा'रात इशा की नमाज़ के बा'द आप के शहर में होने वाले दा'वते इस्लामी के हफ़्तावार सुन्नतों भरे इज्तिमाअ़ में रिज़ाए इलाही के लिये अच्छी अच्छी निय्यतों के साथ सारी रात गुज़ारने की म-दनी इल्तिजा है। आशिक़ाने रसूल के **म-दनी क़ाफ़िलों** में ब निय्यते सवाब सुन्नतों की तरबिय्यत के लिये सफ़र और रोज़ाना फ़िक्रे मदीना के ज़रीए **म-दनी इन्आमात** का रिसाला पुर कर के हर म-दनी माह के इब्तिदाई दस दिन के अन्दर अन्दर अपने यहां के ज़िम्मेदार को जम्अ़ करवाने का मा'मूल बना लीजिये, اِنْ شَآءَ اللّٰہ عَزَّوَجَلَّ इस की ब-र-कत से पाबन्दे सुन्नत बनने, गुनाहों से नफ़रत करने और **ईमान की हिफ़ाज़त** के लिये कुढ़ने का ज़ेहन बनेगा।

हर इस्लामी भाई अपना येह ज़ेहन बनाए कि "**मुझे अपनी और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह़ की कोशिश करनी है।** اِنْ شَآءَ اللّٰہ عَزَّوَجَلَّ" अपनी इस्लाह़ की कोशिश के लिये "**म-दनी इन्आमात**" पर अ़मल और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह़ की कोशिश के लिये "**म-दनी क़ाफ़िलों**" में सफ़र करना है। اِنْ شَآءَ اللّٰہ عَزَّوَجَلَّ











मक-त-बतुल मदीना®

दा'वते इस्लामी

फ़ैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बग़ीचे के सामने, मिरज़ापूर, अहमदआबाद-1, गुजरात, इन्डिया

Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net